हमारे बारे में About us

पूर्ववत् आयुध निर्माणियों को सात रक्षा उपक्रमों के रूप में परिवर्तित करने पर ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड, कॉरपोरेट मुख्यालय ने नवनिर्मित संगठन के रूप में दिनांक 01 अक्टूबर 2021 से अपना कार्य-व्यवहार आरंभ किया। इस मुख्यालय के अधीन एक इकाई - **आयुध पैराशूट निर्माणी (जीआईएल की एक इकाई)** है। जीआईएल मुख्यालय एवं मुख्यालय की अधीनस्थ इकाई 'आयुध पैराशूट निर्माणी' में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के उद्देश्य से राजभाषा अनुभाग सक्रिय रूप से कार्यरत है।

लक्ष्य Aim

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति एवं रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन

राजभाषा अनुभाग का संख्याबल Strength of Rajbhasha Section

सं. 1 कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी - जीआईएल मुख्यालय में

सं. 1 कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी - जीआईएल मुख्यालय की अधीनस्थ इकाई - आयुध पैराशूट निर्माणी में

राजभाषा कार्यान्वयन समिति Official Language Implementation Committee

श्री सुनील दाते - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक - अध्यक्ष

श्री संतोष कुमार सिंह - महाप्रबंधक/मा.सं. - राजभाषा अधिकारी

श्री ब्रजेन्द्र सिंह - कनिष्ठ कार्यप्रबंधक (एसजी)/मा.सं. - सदस्य सचिव

एवं 11 अन्य सदस्यगण

उपलब्धियां Achievements

1. जीआईएल मुख्यालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड कॉरपोरेट मुख्यालय - कानपुर को भारत के राजपत्र में दिनांक 07 नवंबर 2022 को दर्ज करवाया गया।
2. समय - समय पर तिमाही बैठकों का आयोजन करवाया जाना।
3. अनुभागों से प्राप्त तिमाही रिपोर्ट समेकित कर राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन तथा भौतिक रूप से भी प्रेषित किया जाता है।
4. प्रति वित्तीय वर्ष के आरंभ में मुख्यालय के समस्त कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने के लिए व्यक्तिशः आदेश जारी किया जाता है साथ ही मुख्यालय में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम एवं जॉच बिंदु का वितरण भी किया जाता है।
5. वार्षिक गृहपत्रिका ***क्षितिज*** के प्रथम अंक का प्रकाशन किया गया।
6. त्रैमासिक समाचार-पत्र ***ग्लाइडर्स दर्पण*** का भी प्रकाशन किया जाता है।
7. राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु मुख्यालय में हिंदी दिवस/पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है।
8. जीआईएल मुख्यालय नराकास की बैठकों में भी सक्रिय भागीदारी करता है।
9. राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु समय-समय पर अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।